हिंदी दैनिक खबर

केशववाणी

हर पल, हमारी खबर

अनमोल वचन

"जीवन में कोई न कोई रिस्क जरूर लें। क्योंकि अक्सर वो रिस्क लेने वाला ही होता है, जो इतिहास के पन्नों को बदल कर रख देता है।" – मुकेश अम्बानी

जनजातीय समाज के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना। मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद सभागार' में जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के अंतर्गत 'बिरसा लिव्स इन न्यू भारत' थीम पर आयोजित प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति लाभुक संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं के उत्थान और विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत लगभग 1 लाख 4 हजार अनुसूचित जाति एवं अनुसू. चित जनजाति के छात्र–छात्राओं को लाभ प्रदान किया गया है, जिनमें 4 हजार 155 अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राएं शामिल हैं। वहीं प्री–मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत इस वर्ष 20 लाख 46 हजार छात्र–छात्राओं को लाभ मिला है, जिनमें 1 लाख 41 हजार अनुसू. चित जनजाति के छात्र–छात्राएं हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1 लाख रुपये, द्वितीय स्थान पर आने वाले को 75 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन क्षेत्र में होम–स्टे व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे पर्यटक आदिवासी समाज की जीवनशैली और संस्कृति को नजदीक से समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समाज की उन्नति और समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि वाल्मीकिनगर और कैमूर में हेलीपोर्ट का निर्माण कराया जाएगा, जिससे इको–टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन के नए अवसर विकसित होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

अफवाहों पर ध्यान न दें, राजगीर मलमास मेला पूरी तरह संचालित : संजय सिंह

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एवं धार्मिक नगरी राजगीर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध मलमास मेला पूरी तरह सुचारु रूप से संचा. लित हो रहा है। मेला परिसर में प्रतिदिन श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस बीच मेला ठेकेदार संजय सिंह ने लोगों से सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सहयोग और सुरक्षा व्यवस्था के बीच मेला का संचालन लगातार बेहतर तरीके से किया जा रहा है तथा लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मेले का आनंद उठा रहे हैं। मेला ठेकेदार संजय सिंह ने बताया कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर मेले को लेकर कई तरह की भ्रामक और अफवाह भरी बातें फैलाई जा रही हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि मेला पूरी तरह चालू है। देश–विदेश से श्रद्धालु राजगीर पहुंच रहे हैं और ब्रह्मकुंड सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। इसके साथ ही मेले में लगाए गए मनोरंजन के साधनों का भी लोग भरपूर आनंद उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेले में थिएटर, सर्कस, झूला, जादूगर शो, मछली घर समेत अन्य सभी मनोरंजन के साधन सुचारु रूप से संचालित किए जा रहे हैं। हर दिन बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ मेला घूमने पहुंच रहे हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।संजय सिंह ने हाल ही में हुए झूला हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि झूले से गिरकर एक युवक की मौत की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थी। इस घटना से हम सभी मर्माहत हैं और हमारी पूरी संवेदना पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कुछ लोग सोशल मीडिया पर गलत और भ्रामक जानकारी फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। ऐसे अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और बेफिक्र होकर राजगीर मलमास मेला पहुंचकर धार्मिक एवं सांस्. तिक वातावरण का आनंद उठाएं। प्रशासन और मेला समिति की ओर से सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी गई हैं, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुखद अनुभव मिल सके।

बिहार के पैरा एथलीट्स का शानदार प्रदर्शन, 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में जीते 4 पदक

शैलेश कुमार और हिमांशु यादव ने पैरा एशियन गेम्स के लिए किया क्वालीफाई

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पटना। बिहार के पैरा एथलीट्स ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और मेहनत का शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। बेंगलुरु के प्रसिद्ध श्री कांतीरवा स्टेडियम में 26 से 28 मई 2026 तक आयोजित 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चौंपियनशिप 2026 में बिहार के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 4 पदक अपने नाम किए। इस प्रतियोगिता में बिहार के खिलाड़ियों ने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल जगत में खुशी का माहौल है। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार के पैरा खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, समर्पण और आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व का विषय है। प्रतियोगिता में शैलेश कुमार ने T42/63 कैटेगरी के हाई जंप इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं हिमांशु यादव ने F63 कैटेगरी के शॉट पुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का मान बढ़ाया।इसके अलावा अर्चना कुमारी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शॉट पुट प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता, जबकि F54 कैटेगरी के डिस्कस थ्रो इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन ने बिहार में पैरा स्पोर्ट्स के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की मजबूत तैयारी को दर्शाया है। सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि शैलेश कुमार और हिमांशु यादव ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर आगामी पैरा एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह उपलब्धि बिहार के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार में पैरा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण मिलने के कारण अब राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से राज्य के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित होंगे। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने सभी विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

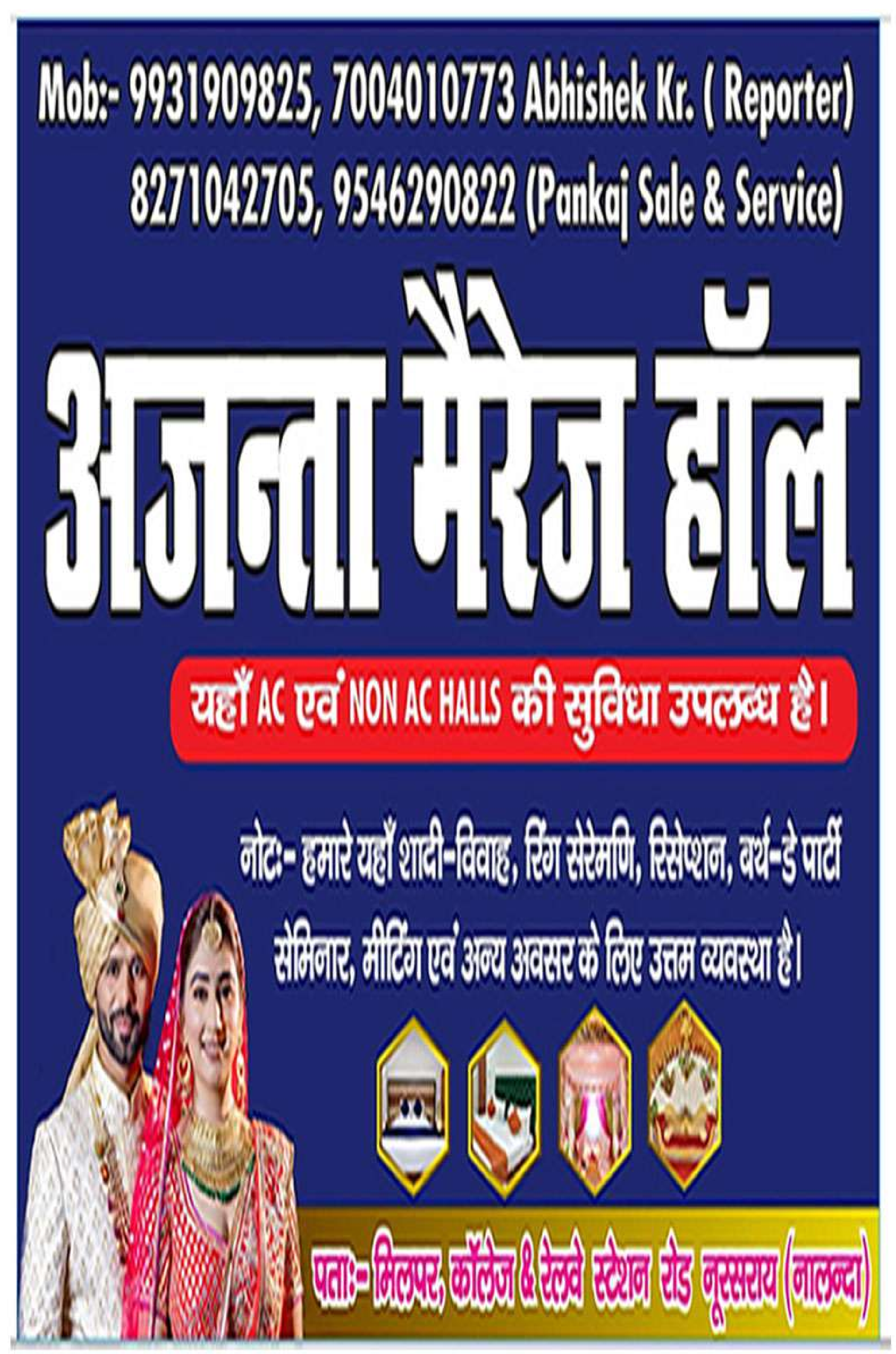

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

सबनाहुआ डीह में रिटायर्ड डीएसपी के घर पर अज्ञात चोरों ने नगद समेत 15 लाख रुपए की सामान किया चोरी

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याण बीघा रोड स्थित सबना. हुआ डीह में रिटायर्ड डीएसपी के बंद पड़े घरों से अज्ञात चोरों बुधवार की रात्रि को नगद समेत 15 लाख रुपए के समान पर हाथ साफ कर दिया। मेन गेट का ताला काट कर चोरों ने घर में घुसकर महज आधे घंटे के अंदर ही गोदरेज में रखें सोने चांदी के बने जेवरात और नगद समेत लगभग 15 लाख रुपए की सामान चोरी कर मौके फरार हो गया। घटना के संबंध में रिटायर्ड डीएसपी दिनेश पासवान ने बताया कि बुधवार को घर में ताला लगाकर सभी परिवार किसी काम के सिलसिले से पटना चले गए थे। वापस देर रात्रि को घर पहुंचा तो देखा कि में गेट का ताला कटा हुआ है। जब अंदर प्रवेश किया तो देखा की तीन रूम का ताला भी टूटा हुआ था। और अलमारी एवं गोदरेज को तोड़कर उसमें रखे सोने के एक पीस चौन, बाला,जितिया, कनवाली चांदी के एक जोड़ा पायल और 25 हजार रुपए नगद समेत महंगे कपड़े व सामान गायब था। इतना ही नहीं घर में रखें सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था।

चोरी करने के बाद सीढ़ी के रास्ते पीछे से नीचे उतर कर फरार हो गया। घटना के बाद गुरुवार की सुबह लगभग 10रू00 बजे पुलिस को सूचना दी गई। चोरी की सूचना मिलती ही हरनौत थाना के पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच प्रक्रिया की। चोरी के बाद पीड़ित परिवार काफी चिंतित है। वही घटना के संबंध में हरनौत थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि रिटायर डीएसपी के द्वारा चोरी की लिखित आवेदन दी गई है। घर में लगे सीसीटीवी फुटेज के सहारे पुलिस चोरों की पहचान करने में जुटी गई हैं।

मेला देखकर लौट रहे वृद्ध की मौत, अन्य घायल

बालू से लदा ट्रैक्टर व ऑटोरिक्शा की टक्कर में हुआ हादसा

अनुमंडल अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला देखकर अपने समधन के घर नोनही गांव लौट रहा एक परिवार गुरुवार को हादसा का शिकार हो गया। बालू लदे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने ऑटोरिक्शा में धक्का मार दी। इसमें ऑटोरिक्शा पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं अन्य घायल हो गये। मृतक की पहचान खुदागंज थाना क्षेत्र के मैदी कला निवासी 62 वर्षीय कृष्णा चौरसिया के रूप में की गयी। घायलों में मृतक की पत्नी उषा देवी, पुत्री सविता देवी, नाती आनंद कुमार व ऑटोरिक्शा चालक सोनू कुमार शामिल है। सभी घायलों का अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराया गया। परिवार वालों ने बताया कि बुजुर्ग पटना में रहकर व्यवसाय करते थे। परिवार के साथ वे मेला में स्नान करने आये थे। मेला घूमने के बाद सुबह में नोनही गांव निवासी अपने दामाद प्रदीप कुमार के घर जा रहे थे। गांव से करीब एक किलामीटर पहले न्यू बाइपास रोड पर अचानक तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में ऑटोरिक्शा ड्राइवर का पैर टूट गया। लोगों ने बताया कि बालू से लदा हुआ ट्रैक्टर जब रोड पर चलता है तो मानो हवाई जहाज की तरह हवा से बात करता है। आये दिन चाहे अहले सुबह हो चाहे रात के समय में ये ट्रैक्टर बालू लेकर तेज गति से आते हैं। इस समय कोई भी इनकी चपेट में आ सकता है। लोगों ने जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों से इन ट्रैक्टरों पर लगाम लगाने की मांग की है।

वीर सावरकर के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत : डॉ. सुनील कुमार

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की 143वीं जयंती के अवसर पर बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. सुनील कुमार ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वीर सावरकर केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी राष्ट्रनिर्माता भी थे। उन्होंने कहा कि सावरकर का सपना भारत को आत्मनिर्भर, संगठित और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित करना था। विधायक डॉ. सुनील कुमार ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वीर सावरकर का मानना था कि कोई भी राष्ट्र तभी महान बन सकता है, जब उसके नागरिक राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें, समाज में एकता हो तथा विज्ञान और तकनीक को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि सावरकर के विचारों का प्रभाव देश के कई राष्ट्रीय नेताओं पर पड़ा, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाया जा रहा "आत्मनिर्भर भारत" अभियान वीर सावरकर की सोच को आगे बढ़ाने वाला कदम है। "मेक इन इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया", "डिजिटल इंडिया" और "वोकल फॉर लोकल" जैसी योजनाओं के माध्यम से देश को आर्थिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भी भारत तेजी से

आत्मनिर्भर बन रहा है। स्वदेशी हथियार, मिसाइल, युद्धपोत और रक्षा उपकरणों के निर्माण में वृद्धि हुई है, जो राष्ट्र सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इसे वीर सावरकर के राष्ट्रवादी दृष्टिकोण से जोड़ते हुए कहा कि सावरकर ने वर्षों पहले ही आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य किया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, काशी विश्वनाथ धाम का विकास, अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण और भारतीय परंपराओं को विश्व मंच पर सम्मान दिलाना देश की सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करने वाले कदम हैं। विदेश नीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए विधायक ने कहा कि आज विश्व मंच पर भारत की आवाज को गंभीरता से सुना जाता है। कश्मीर, लद्दाख, रक्षा और कू. टनीति जैसे मुद्दों पर भारत मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही आत्मविश्वासी भारत है, जिसकी कल्पना वीर सावरकर ने की थी। डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि आज भारत विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक, सैन्य शक्ति और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर के आत्मनिर्भर भारत का सपना अब धीरे–धीरे साकार होता दिखाई दे रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए भारत को समृद्ध, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज का भारत वीर सावरकर के सपनों के सशक्त भारत की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

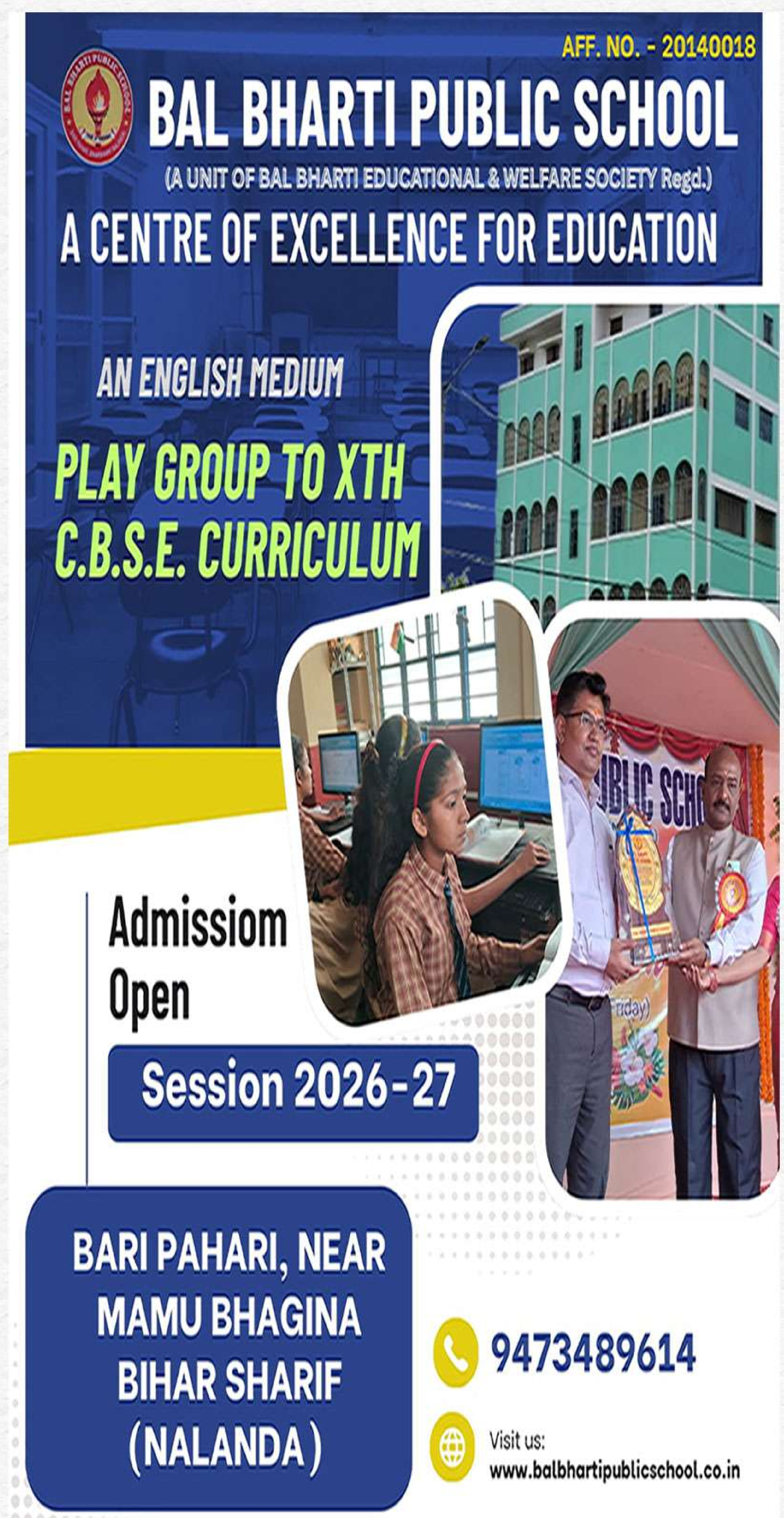

मिरदाहाचक गांव में बंद पड़े 63 केवी का ट्रांसफार्मर हुआ चोरी गांव में दहशत का माहौल। बिजली विभाग को दी गई सूचना

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र पोआरी पंचायत के मिरदाहाचक गांव में बंद पड़े 63 केवी का ट्रांसफार्मर चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। बीच गांव में ट्रांसफार्मर रहने के बावजूद भी चोरी हो जाने से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। मिरदाहाचक गांव निवासी सह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सतीश कुमार उर्फ बड़े पासवान ने गुरुवार को बताया कि 7 वर्ष पहले गांव में चंदा करके 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया था। कुछ साल पहले बिजली विभाग के द्वारा पुराना ट्रांसफार्मर का कनेक्शन हटाकर उसी स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है। जिससे 100 घर से अधिक उपभोक्ता को बिजली आपूर्ति होती है। वही लंबे दिनों से बंद पड़े ट्रांसफार्मर को बुधवार की मध्य रात्रि को अज्ञात शातिर चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया। आश्चर्य के बाद तो यह है कि गांव के बीच में ट्रांसफार्मर चोरी हो गई और इसका भनक ना तो स्थानीय पुलिस को लगी और ना ही ग्रामीणों को। मौके पर मौजूद ग्रामीण बलराम पासवान ने बताया कि ट्रांसफार्मर चोरी हो जाने से गांव के लोग काफी चिंतित हैं। लोगों में दस्तक का माहौल भी बना हुआ है। घटना की जानकारी ग्रामीणों को गुरुवार की सुबह में पता चली। उसके बाद घटना की जानकारी फोन के माध्यम से स्थानीय हरनौत

थाना और बिजली विभाग के जेई को दी गई। वही ट्रांसफार्मर चोरी हो जाने की खबर सुनते ही हरनौत प्रशाखा के विद्युत कनीय अभियंता मनीष कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी ग्रामीणों से लिया। जेई मनीष कुमार ने बताया कि बंद पड़े 63 केवी के ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोरों के द्वारा क्वाइल चोरी कर लिया गया है। ग्रामीणों के द्वारा लिखित आवेदन देने के बाद मामले को संज्ञान में लिया जाएगा।

राजगीर का अनुमंडलीय अस्पताल को रेफर करने वाला अस्पताल कहना बेहतर, सालों से बना है रेफर करने वाला अस्पताल

केशववाणी अनुमंडल अनुमंडल संवाददाता, राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटक नगरी को विश्व पटल पर उभारने के लिए बिहार सरकार ने काफी काम किया। इसका नतीजा है कि यहां पर नालंदा विश्वविद्यालय, स्टेडियम, बिहार पुलिस अकादमी, सीआरपीएफ कैम्प सहित अन्य कई योजनाएं पूरी हुई और देश–विदेश के लोग यहां पर रहने लगे। वहीं सालों बीत जाने के बाद भी अब तक राजगीर में लोगों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल सकी है। राजगीर का अनुमंडलीय अस्पताल में कहने को तो दर्जन भर डॉक्टर हैं। इसका जीर्णोद्धार भी किया गया है पर सालों बाद भी यह सिर्फ रेफर करने वाला ही अस्पताल साबित हो पाया है। कई मामलों में यह हल्की बुखार वाले मरीज को भी रेफर कर अपना पिंड छुड़ा लेते हैं। ऐसे कई मामले आये जब अनुमंडलीय अस्पताल प्रशासन की ऐसे रवैया के कारण कई मरीजों को जान से हाथ धोना पड़ा है। इसके बाद भी अब तक न सरकार और न कोई समाजसेवी इस ओर ध्यान दे पायी है। लोगों ने बताया कि यह एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटक नगरी है। यहां पर रोजना देश–विदेश के पर्यटकों का आना–जाना होता है। इसके अलवा नालंदा विश्वविद्यालय हो चाहे अन्य परियोजनाओं में भी विदेशों के छात्र व

कर्मी रहते हैं। इसके बाद भी अब तक सरकार ने पर्यटक नगरी में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की व्यवस्था नहीं की है। लोगों ने कहा कि मेला के दौरान झूला से गिरकर जिस छात्र की मौत हुई, अगर राजगीर में ही बेहतर अस्पताल होता और यहां पर सारी सुविधा होती तो शायद उसकी जान बचायी जा सकती थी। इतना ही नहीं कई बार एक बेहतर अस्पताल नहीं होने का खामियाजा यहां के खास से लेकर आम लोगों को उठाना पड़ा है। लोग आनन–फानन में अपने परिवार को बेहतर इलाज के लिए पटना ले जाने लगते हैं पर रास्ते में ही वे दम तोड़ देते हैं। लोगों ने सरकार से मांग की है कि राजगीर में एक ऐसी बेहतर सुविधा दी जाय जो सबों को लाभ मिले। यहां पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहाली हो। साथ ही अल्ट्रासाउंड से लेकर अन्य तरह की जांच की भी सुविधा बहाल की जानी चाहिए।

आचरणवाण व्यक्ति ही पाते हैं विशुद्ध ज्ञान : फलाहारी बाबा

केशववाणी अनुमंडल अनुमंडल संवाददाता, राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। आचरणवाण व्यक्ति ही विशुद्ध ज्ञान को पा सकता है। माता–पिता, गुरुजनों की सेवा करना, जनहित में काम करना, शिष्टाचार व सदाचार पर ध्यान देना सनातन के वेद मार्गियों का कर्त्तव्य होता है। कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग के महत्व को समझना जीवन लाभ लेना सर्वोपरि है। ये बातें स्वामी चिदात्मनजी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा ने अपने प्रवचन में कहीं। कहा कि तीन सालों पर आने वाला पुरुषोत्तम मास का विधिवत सेवन करने से विशेष फल मिलता है। भारतीय संस्कृति में राजगीर की महत्ता चारों युगों में रही है। यह एक तपोभूमि है। यह यज्ञभूमि है। यहां आकर कुंडों में स्नान कर लोग सालों भर आरोग्यता की प्राप्ति करते हैं। खासकर पुरुषोत्तम मास मेला में यहां का महत्व और भी महत्व बढ़ जाता है। इसमें देश के कोने–कोने से पुण्य आत्माएं यहां आते हैं। बाबा के शिविर में रोज भंडारा का आयोजन किया जा रहा है, जिसका हजारों श्रद्धालु लाभ उठा रहे हैं।

भामाशाह सम्मान समारोह को लेकर मंत्रियों को दिया गया आमंत्रण

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ(नालंदा)। नालंदा जिला तैलिक–वैश्य महासभा द्वारा आयोजित "भामाशाह सम्मान समारोह" के सफल आयोजन को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में आगामी 05 जुलाई 2026 को बिहारशरीफ टाउन हॉल परिसर में आयोजित होने वाले भव्य समारोह के लिए बिहार सरकार के कई माननीय मंत्रियों एवं जनप्रतिनिधियों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। आयोजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद, पर्यटन मंत्री श्री केदार प्रसाद गुप्ता तथा सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक श्री संजीव चौरसिया को कार्यक्रम में शामिल होने हेतु सादर आमंत्रण पत्र सौंपा। सभी माननीय अतिथियों ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं नगर जिला जदयू बिहारशरीफ के अध्यक्ष प्रदुम्न जी, भामाशाह विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश साहू, भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री मुकेश नंदन, आयोजन समिति के

सदस्य एवं भाजपा उपाध्यक्ष श्री शैलेंद्र कुमार, श्री अर्जुन गुप्ता तथा श्री शशि भूषण गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि "भामाशाह सम्मान समारोह" समाज के उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी व्यक्तियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल होंगे।

कर्मियों की कमी से लड़खड़ाया पंचायत का कार्य, 30 मई से लौटेंगे अपने काम पर

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत पंचायत सचिव की भारी कमी से हरनौत प्रखंड के विभिन्न पंचायतों का काम–काज बुरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थिति तब और बिगड़ गई जब एक से अधिक पंचायत का कामकाज देख रहे पंचायत सचिव को हीं अन्य पंचायत का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया। ज्ञात हो कि प्रखंड में नेहुसा, गोन. ावां, सरथा,पोआरी, चेरो,डिहरी, बसनियावां, चौरिया, पचौरा, बराह, तेलमर, लोहरा, सोरा. डिह, पाकड़, कोलावां व मुढ़ारी सहित कुल 16 पंचायत है। इसे देखने के लिए मात्र सात पंचायत सचिव तैनात है। इनमें नेहुसा , बराह और पोआरी पंचायत में तैनात पंचायत सचिव विकास कुमार,लोहरा और सरथा पंचायत के पंचायत सचिव विकास कुमार,मुढ़ारी व चेरो पंचायत के पंचायत सचिव नेहा कुमारी ,गोनावां व सोराडीह के पंचायत सचिव आनंद कुमार शर्मा तथा तेलमर और पाकड़ पंचायत के पंचायत सचिव रंजीत कुमार बीते आठ अप्रैल से विभिन्न पांच सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इसमें जिलास्तरीय स्थानांतरण लागू करने, शैक्षणिक योग्यता स्नातक निर्धारित करने,यात्रा भत्ता बढ़ाकर 2000 रुपये करने, ग्रेड पे 4200 रुपये निर्धारित करने एवं 55 वर्ष से अधिक के पंचायत सचिवों की प्रोन्नति प्रखंड पंचायत पदा. धिकारी पद पर नहीं करने का आदेश वापस लेने था। फिलहाल प्रभार पंचायत सचिव को सौंपा है। दरअसल , हरनौत प्रखंड के सभी पंचायतों में कुल सात पंचायत सचिव कार्यरत थे।इनमें से 5 पंचायत सचिवों के हड़ताल पर चले जाने के बाद यह अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। दोहरे प्रभार के कारण ये कर्मी न तो अपने पंचायत का काम देख पा रहे हैं और न ही अन्य पंचायतो का। ऐसी स्थिति में जन्म–मृत्यु प्रमाणपत्र, योजना संबंधित वित्तीय लेनदेन अन्य कामकाज में परेशानी हो रही है। लोग रोज कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। स्थानीय लो. गों का कहना है कि स्टाफ की कमी से पंचायत का कामकाज भगवान भरोसे चल रहा है। आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है। वहीं हड़ताल पर रहे लोहरा और सरथा पंचायत के पंचायत सचिव विकास कुमार ने बताया कि बिहार राज्य पंचायत सचिव संघ कि ओर से औपचारिक रूप से हड़ताल समाप्ति की घोषणा कर दी गई है।अब 30 मई से अपने काम पर पुनः लौटेंगे। उन्होंने ने बताया कि पंचायत व सरकार के बीच तमाम प्रशासनिक व विकास कार्य सचिव के हवाले होते हैं। ग्राम पंचायत की बैठकों का आयोजन, पंचायत अभिलेखों का संधारण, केंद्र–राज्य सरकार की मनरेगा, आवास योजना आदि को लागू कराना, योजनाओं की प्रगति की निगरानी व रिपोर्ट बनाना, लाभुकों का चयन व उसकी सूची बनाना, पंचायत निधि का लेखा–जोखा, जन्म, मृत्यु, विवाह आदि का पंजीकरण, प्रमाणपत्र बनवाने में सहयोग, ग्रामीणों की शिकायतों को विभाग तक पहुंचाना, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि आदि विभागों से समन्वय, स्वच्छता, जल संरक्षण, सड़क निर्माण जैसे कार्यों में सहयोग हमलोग कि जिम्मेदारी हैं।

मोटरसाइकिल और झाझरिया के बीच टक्कर में सात वर्षीय मासूम की मौत, श्राद्ध में शामिल होने जा रहा था परिवार

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिले के एनएच–20 पर हुए भीषण सड़क हादसे में सात वर्षीय मासूम आरव कुमार की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा वेना थाना क्षेत्र स्थित डेंटल कॉलेज के पास बख्तियारपुर–रजौली मुख्य मार्ग के फ्लाईओवर पर झरझरिया गाड़ी और मोटरसाइकिल के बीच आमने–सामने की टक्कर में हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को आनन–फानन में बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान सात वर्षीय आरव कुमार ने दम तोड़ दिया। हादसे में बच्चे के पिता अमित कुमार, मां शिल्पी देवी और बहन अनोखी कुमारी गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज जारी है। बताया जाता है कि भागन बिगहा ओपी क्षेत्र के बबूरबन्ना गांव निवासी अमित कुमार के पिता का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया था। अमित कुमार अपनी पत्नी शिल्पी कुमारी, जो बिहार पुलिस में कार्यरत हैं, तथा अपने दोनों बच्चों के साथ वैशाली में रहते हैं। पिता के निधन की सूचना मिलने के बाद पूरा परिवार श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए वैशाली से अपने पैतृक गांव लौट रहा था। इसी दौरान पैठना टोल प्लाजा के समीप यह दर्दनाक हादसा हो गया। दादा के अंतिम संस्कार में शामिल होने आ रहे मासूम पोते की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार भागन बिगहा बाजार में सर्विस रोड निर्माण कार्य चलने के कारण सड़क को वन–वे कर दिया गया है। इसके चलते भागन बिगहा चौराहा से पैठना की ओर जाने वाले वाहनों को करीब 500 मीटर तक रॉन्ग साइड से गुजरना पड़ रहा है।

इसी डायवर्जन के कारण फ्लाईओवर पर चढ़ते समय यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई वाहन चालक टोल टैक्स बचाने के लिए जानबूझकर गलत दिशा में वाहन चलाते हैं, जिससे इस मार्ग पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। घटना के बाद लोगों ने प्रशासन से जल्द यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। हादसे की सूचना मिलते ही वेना थाना पुलिस और टोल प्लाजा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। वेना थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि फ्लाईओवर पर चढ़ने के दौरान झरझरिया गाड़ी और मोटरसाइकिल की टक्कर हुई है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फरार वाहन चालक की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गंजपर के लोगों ने मृत्यु भोज बहिष्कार करने का लिया निर्णय, समाज के लिए अभिशाप है मृत्यु भोज

केशववाणी अनुमंडल अनुमंडल संवाददाता, राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मृत्यु भोज बहिष्कार को लेकर राजगीर नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत गंजपर मोहल्लावासियों द्वारा एक आम सभा की गई। इसकी अध्यक्षता सेवानिवृत शिक्षक व जेपी सेनानी महेन्द्र कुमार ने की। बैठक में सर्वसम्मति से ब्राह्मण भोज(मृत्यु भोज) को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। यह भोज समाज के लिए अभिशाप है। इसलिए इसे समाप्त करना सभी समाज के लिए हितकारी है। ग्रामवासियों ने अपनी सहमति प्रदान करते हुए मृत्यु भोज बहिष्कार का शपथ देवस्थान सेवकराम के सामने लिया। आर्यदैव प्र० यादव उर्फ आर्य कुमार पाटिल ने कहा कि मृत्युभोज का आयोजन परलोक में आस्था रखने वाला हिंदू समाज सदियों से करता आया है। ऐसी मान्यता है कि किसी परिजन की मौत के बाद ब्राह्मण को दान देने और लोगों को भोजन कराने का पुण्य मृत आत्म को मिलता है। इससे मृत आत्मा का परलोक सुधरता है। लेकिन व्यक्ति या जीव जीते जी जो अच्छा काम करता है, परोपकार करता है, दया दिखाता है, दान–पुण्य करता है और दीन–दुखियों की सेवा करता है, उसका परलोक मृत्यु के बाद अपने आप सुधर जाता है। ऐसे में मृत्यु के बाद परिजनों को जरूरी काम ही करने चाहिए। आडंबर और दिखावे से बचना चाहिए। मृत्यु भोज भी एक तरह का आडंबर है। इसे रोकने के लिए समाज अपने स्तर पर प्रयास कर रहा है। इस मौके पर श्रवण कुमार, श्यामदेव यादव, अनिल कुमार, शिवालक यादव, सूर्यदेव यादव, ओंकार यादव, अरुण कुमार चक्रवर्ती, रणवीर कुमार रत्नाकर, नरेश कुमार, दिलीप यादव, शिवशंकर यादव, कुंदन कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

राजगीर मलमास मेले में पार्किंग शुल्क को लेकर लोगों में नाराजगी, अवैध वसूली का आरोप

केशववाणी अनुमंडल अनुमंडल संवाददाता, राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल राजगीर में आयोजित प्रसिद्ध मलमास मेले के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों से पार्किंग के नाम पर कथित तौर पर अवैध वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। मेले में आने वाले लोगों का आरोप है कि पार्किंग शुल्क के नाम पर मनमाने तरीके से अधिक राशि वसूली जा रही है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार मेले में दोपहिया वाहनों से ₹150, तिपहिया वाहनों से ₹200 तथा चारपहिया वाहनों से ₹300 तक की राशि पार्किंग शुल्क के रूप में वसूली जा रही है। श्रद्धालुओं और वाहन चालकों का कहना है कि यह शुल्क अत्यधिक है और आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। मेले में पहुंचे कई लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पार्किंग शुल्क तय सीमा के भीतर होना चाहिए। लोगों का कहना है कि अधिकतम ₹50 तक शुल्क उचित माना जा सकता है, लेकिन उससे कई गुना अधिक राशि वसूले जाने से उन्हें मजबूरी में पैसे देने पड़ रहे हैं। बाइक चालक सौरभ कुमार ने बताया कि मेले में आने वाले लोगों से

अत्यधिक पैसा लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु दूर–दूर से पूजा और घूमने के उद्देश्य से आते हैं, लेकिन यहां पार्किंग शुल्क के नाम पर भारी रकम वसूली जा रही है। कई लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं, फिर भी मजबूरी में उन्हें निर्धारित राशि देनी पड़ रही है क्योंकि वाहन पार्क करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। मलमास मेले में हर साल लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में पार्किंग व्यवस्था को लेकर पारदर्शिता और निर्धारित दरों का पालन जरूरी माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को पार्किंग शुल्क की स्पष्ट सूची सार्वजनिक करनी चाहिए ताकि किसी प्रकार की अवैध वसूली न हो सके। वहीं इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सूर्यप्रकाश गुप्ता ने कहा कि पार्किंग शुल्क वसूली की शिकायत मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी और यदि किसी प्रकार की अनियमितता या अवैध वसूली पाई जाती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पार्किंग शुल्क को लेकर श्रद्धालुओं और पर्यटकों में नाराजगी देखी जा रही है तथा लोग प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर राहत देने की मांग कर रहे हैं।